भारतीय विविधता पर एक सुंदर और अवसर पर स्कूल की चेयरपर्सन सिमी अनेक लोग मौजूद थे। निगमों के प्रबंध निदेशकों के साथ मुलाकात हो जा

यूटीयू में सिंगल विंडो सिस्टम

विश्वविद्यालय से पोर्टल के जरिये मिलेगा एडमिशन, कालेज अपने स्तर से नहीं भर सकेंगे सीटें

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) में एडमिशन को लेकर सिंगल विंडो सिस्टम लागू हो गया है,जिसमें छात्रों को पोर्टल के जरिये एडमिशन मिलेगा। इसके अब निजी कालेज अपने स्तर से सीटें नहीं भर सकेंगे।

शनिवार को यूटीयू में कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने अपने छह माह की उपलब्धियों के बार में बताया। उन्होंने कहा कि विवि में यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जा चुका है, जिससे विवि की समस्त गतिविधियों के डिजिटलीकृत करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

सिंगल विंडो सिस्टम लागू होने से अब कालेज पहले की तरह अपने स्तर से सीटें नहीं भर सकेंगे। एडमिशन के लिए छत्रों को विवि के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के दौरान भरी गई च्वाईस के आधार पर कालेज स्वयं छात्र से सम्पर्क करेंगे। इससे छात्रों को स्पाट काउंसलिंग के नाम पर कालेज-कालेज नहीं भागना पड़ेगा। कालेज स्वयं छात्रों को अपनी खूबियां समेत अन्य जानकारियां देंगे।

पूर्व के सालों में दो चरण की काउंसलिंग के बाद निजी कालेज अपने स्तर से सीटें भरते थे, जिसमें बाद में कई तरह की खामियां मिलती थी। कई मामलों में तो न्यूनतम अर्हता पूरी न करने वाले छात्रों का एडमिशन मिलता जाता था। कुलपति के अनुसार पोर्टल पर प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन

जानकारी देते कुलपति प्रो.ओंकार सिंह।

■ एडमिशन के लिए ऑनलाइन प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन शुरू

आज से शुरू हो चुके है। इसी कड़ी कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति आदि का ब्यौरा भी हर दिन विवि तक पहुंचेगा, जिसे छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों व कालेज भी देख सकेंगे।

उन्होंने कहा कि विवि में नये सत्र से बीटेक में नया पाठ्यक्रम साइबर सिक्योरिटी शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही बीफार्मा शुरू करने के लिए फार्मेसी काउंसिल को प्रस्ताव भेजा गया है। शोध को बढ़ावा देने के लिए 25 छात्रों को हर 20 हजार रुपये प्रतिमाह फैलोशिप व 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष की दर से कंटिलेन्सी दी जाएगी। इसके साथ ही 200 छात्रों के प्रोजेक्ट को फाइनेंस किया जाएगा। इस मौके पर कुलसचिव प्रो.सत्येंद्र नाथ सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा.वीके पटेल, वित्त नियंत्रक विक्रम सिंह जंतवाल आदि मौजूद थे।

छात्र-छात्राओं के लिए समर सेमेस्टर

यूटीयू द्वारा छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए समर सेमेस्टर का संचालन किया जाएगा। कुलपति प्रो.ओंकार सिंह के अनुसार समर सेमेस्टर से बैक पेपर पाने वाले छात्रों को परीक्षा उत्तीर्ण कर अगले सत्र में प्रोन्नति का मौका मिल जाएगा। कुलपति ने कहा कि छह माह के कार्यकाल के दौरान विवि परिसर में टी-55 टैंक व वीर माधो सिंह भण्डारी की मूर्ति की स्थापना, प्रथम एल्यूमनी मीट, विवि में इनक्यूबेशन हब की स्थापना की गई है। इसके साथ ही विवि स्तर पर इंटर कॉलेजिएट स्पोर्ट्स टूर्नामेंट, एनुअल एथलेटिक्सस मीट, टैक्नो कल्चरल फैस्टिवल का आयोजन किया जा चुका है।

मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं देख सकेंगे छात्र-छात्राएं

विवि से सम्बद्ध छात्र-छात्राएं मूल्यांकन के बाद उत्तर पुस्तिकाओं को देख सकेंगे। छात्र-छात्राओं को कालेज स्तर पर विषय शिक्षक की मौजूदगी में उत्तर पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि किसी भी तरह का संशय होने पर शिक्षक उसे दूर कर सकें। इसके बाद भी संतुष्ट न होने पर छात्र तय फीस के साथ पुर्नमूल्यांकन के लिए आवेदन भी कर सकेंगे। इसी तरह सत्र 2022-23 के जनवरी में हुए विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों नोडल केन्द्रों के माध्यम से वितरित करने की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया। समस्त प्रश्न पत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक भेजने का कार्य पूर्ण रूप से डिजिटल मोड में पासवर्ड प्रोटेक्शन के साथ इनक्रिप्टेड तरीके से किया गया। प्रश्न पत्र परीक्षा प्रारम्भ होने के 30-45 मिनट उपलब्ध कराया गया। परीक्षाओं के उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य पूर्ण रूप से आन स्क्रीन व्यवस्था के जरिये किया गया।